D.El.Ed 2nd Year

21 May 2020
Thursday

गिजू भाई बधेका (1885 - 1939)

जन्म → 15 नवम्बर सन् 1885 चित्तल (सौराष्ट्र)

निधन → 23 जून 1939

गिजू भाई की बालकेन्द्रित शैक्षिक विचारधारा

"हमारे जीवन की पाठशाला में अध्ययन हेतु ऐसी प्रणाली को अपनाएँ, ताकि उसमें सेवा की भावना रात - दिन विकसित होती रहे।" - गिजू भाई

'बालकों के मोंछों वाली माँ गिजू भाई'

"इन्होंने बाल मन्दिर को मन्दिर माना तथा बालकों को उस मन्दिर का देवता।" वे कहते थे — "बाल देवो भव।"

"इनके इन्हीं गुणों के कारण बालक उन्हें मूंछों वाली माँ के रूप में मानते थे, प्यार करते थे और उन्हें आदर देते थे।"

गिजूभाई के अनुसार बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम

1 → विद्यालय के विविध अनुभव एवं शाला की बौद्धिक क्रियाओं द्वारा विविध अनुभव आने चाहिए।

2 ⇒ पाठ्यक्रम में स्मरण शक्ति पर अधिक बल।

3 → आध्यात्मिकता के माध्यम से सत्य, प्रेम के प्रति निष्ठा जैसे - गुणों का विकास करना।

गिजूभाई के अनुसार बाल केन्द्रित शिक्षण

① मातृभाषा की शिक्षण विधि।

② गिजूभाई के अनुसार कविता शिक्षण।

③ व्याकरण शिक्षण — पाठ में संज्ञा / विशेषण / सर्वनाम / क्रिया की पहचान खेल - 2 में कराना।

④ इतिहास और भूगोल शिक्षण — ग्लोब तथा मानचित्रों की सहायता लेकर तथ्यों को स्पष्ट करना।

⑤ चित्रकला शिक्षण — अच्छे चित्रों की प्रदर्शनी हेतु रखवाना, बालकों को प्रोत्साहित करना।

⑥ धार्मिक शिक्षा — कर्मकाण्ड, श्लोक पाठ, धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन।

⑦ खेलकूद → का अर्थ खेलना, कूदना तथा मौजमस्ती करना है।

शिक्षण विधियों के सम्बन्ध में गिजु भाई के विचार

1⇒ इस क्षेत्र में परिवर्तन एवं प्रयोग निरन्तर आवश्यक है।

2⇒ औपचारिक विधियों का कोई स्थान नहीं।

3⇒ इसकी विधियाँ अनौपचारिक, 'सहज करके सीखने' के सिद्धान्त पर आधारित।

4⇒ वे विधियाँ- नाटक पद्धति, कहानी पद्धति, भ्रमण पद्धति, अवलोकन पद्धति तथा माण्टेसरी पद्धति हैं।

गिजु भाई के अनुसार अनुशासन :

1⇒ इनाम एवं सजा के लिए दमनात्मक साधनों का प्रयोग।

2⇒ दण्ड का भय तैयार रहना।

3⇒ भय और लालच से बालक दीन-हीन बन सकते हैं।

4⇒ अनुशासन बालकों पर बहुत समय तक लागू नहीं।

बाल साहित्य और गिजु भाई

काव्य संग्रह प्रकाशित → 1915 में हिम्मत लाल गणेशजी ने।

बाल साहित्य लेखन में नयी स्फूर्ति आयी।

जनक — गिजु भाई।

रचना — बालकों की रुचि / क्षमता का ध्यान।

गिजु भाई को 'बाल साहित्य सम्राट' कहा जाना चाहिए।

गिजु भाई ने प्राथमिक पाठशाला की आलोचना प्रस्तुत करते हुए पाठशाला के भावी स्वरूप की रूपरेखा प्रस्तुत की।

End